



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 3 अक्टूबर, 1987/11 अश्विन, 1909

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 3 अक्टूबर, 1987

क्रमांक एल० एल० आर० (डी०) (6) 26/87-लैजिस्लेशन.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तारीख 26 सितम्बर, 1987 को अनुमोदित हिमाचल प्रदेश कृषि, औद्योगिक और वानिकी विश्वविद्यालय (प्रथम संशोधन) विधेयक, 1987 (1987 का 20), को 1987 के हिमाचल प्रदेश अधिनियम संख्यांक 23 के रूप में संविधान के अनुच्छेद 348 (3) के अधीन उसके प्राधिकृत पाठ संहिता, हिमाचल प्रदेश राजपत्र में प्रकाशित करते हैं।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित
सचिव (विधि)।

1987 का अधिनियम संख्या 23.

हिमाचल प्रदेश कृषि, औद्योगिकी और वानिकी विश्वविद्यालय (प्रथम संशोधन) अधिनियम, 1987

(राज्यपाल महोदय द्वारा यथा 26 सितम्बर, 1987 को अनुमोदित)

हिमाचल प्रदेश कृषि, औद्योगिकी और वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 1986
(1987 का 4) का संशोधन करने के लिए अधिनियम ।

भारत गणराज्य के अड़तीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हुआ ।

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ । 1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश कृषि, औद्योगिकी और वानिकी (प्रथम संशोधन) विधेयक, 1987 है ।

(2) यह ऐसी तारीख को प्रवृत्त होगा जो राज्य सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे ।

धारा 35 का संशोधन । 2. हिमाचल प्रदेश कृषि, औद्योगिकी और वानिकी विश्वविद्यालय अधिनियम, 1986 1987 का 4
की धारा 35 की उप-धारा (1) के विद्यमान खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड प्रति-
स्थापित किया जाएगा :—

“(ख) डाक्टर यशवन्त सिंह परमार यूनिवर्सिटी आफ हार्टिकल्चर एंड फारेस्ट्री,
सोलन के निम्नलिखित संघटक महाविद्यालय होंगे:—

- (i) हार्टिकल्चर महाविद्यालय, सोलन;
- (ii) फारेस्ट्री महाविद्यालय, सोलन; और
- (iii) ऐसे अन्य महाविद्यालय जो विश्वविद्यालय द्वारा इस अधिनियम के प्रारम्भ के पश्चात् स्थापित किया जाएं ।”

[Authoritative English text of the Himachal Pradesh Krishi, Udyaniki Aur Vaniki Vishva Vidyalaya (Pratham Sanshodhan) Adhiniyam, 1987 (1987 Ka Adhiniyam Sankhyank-23) as required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

Act No. 23 of 1987.

**THE HIMACHAL PRADESH UNIVERSITIES OF AGRICULTURE,
HORTICULTURE AND FORESTRY (FIRST AMENDMENT)
ACT, 1987**

(AS ASSENTED TO BY THE GOVERNOR ON 26TH SEPTEMBER, 1987)

AN

ACT

to amend the Himachal Pradesh Universities of Agriculture, Horticulture and Forestry Act, 1986 (4 of 1987).

It is hereby enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Thirty-eighth Year of the Republic of India, as follows:—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Universities of Agriculture, Horticulture and Forestry (First Amendment) Act, 1987. Short title and commencement.

(2) It shall come into force on such date as the State Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. For the existing clause (b) of sub-section (1) of section 35 of the Himachal Pradesh Universities of Agriculture, Horticulture and Forestry Act, 1986, the following clause shall be substituted, namely:— Amendment of section 35.

“(b) in respect of Dr. Yashwant Singh Parmar University of Horticulture and Forestry, Solan:—

- (i) the College of Horticulture, Solan;
- (ii) the College of Forestry, Solan; and
- (iii) such other colleges as may be established by the University after the commencement of this Act.”

